

# पार्किंसन रोग का भ्रूण कोशिका उपचार

पार्किंसन रोग दरअसल लक्षणों का एक समूह है जिसमें खास तौर से व्यक्ति का अपनी मांसपेशियों पर नियंत्रण जाता रहता है - हाथ-पैर में अनियंत्रित कंपनों के कारण कामकाज मुश्किल हो जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के रॉजर बार्कर और उनके साथियों ने हाल ही में एक पुरानी उपचार विधि को एक व्यक्ति पर आजमाया है मगर इस उपचार के परिणाम पांच साल बाद ही पता चल पाएंगे।

यह उपचार भ्रूण कोशिकाओं पर आधारित है। इसे करीब 28 साल पहले स्वीडन में आजमाया गया था मगर 1-2 साल में अच्छे परिणाम न मिलने पर इसे छोड़ दिया गया था। मगर पता चला कि तीन साल बाद उन व्यक्तियों में काफी सुधार हुआ था। तो अब बार्कर व उनके साथियों ने इसे फिर से आजमाने की सोची। बार्कर के मुताबिक इनमें से कई व्यक्ति लगभग सामान्य स्थिति में पहुंच गए हैं।

इस उपचार में भ्रूण से प्राप्त कोशिकाएं सीधे व्यक्ति के दिमाग में डाली जाती हैं। इन्हें दिमाग की बाकी कोशिकाओं के साथ कड़ियां बनाकर वहां बसने में समय लगता है। मगर एक बार ठीक तरह से जुड़ जाएं तो ये डोपामीन नामक एक रसायन का उत्पादन शुरू कर देती हैं। डोपामीन तंत्रिका तंत्र में संदेशवाहक का काम करता है और यह देखा

गया है कि पार्किंसन रोग से पीड़ित व्यक्तियों के मस्तिष्क में डोपामीन का स्तर कम रहता है।

अलबत्ता, अभी भी जिस व्यक्ति का भ्रूण कोशिका उपचार किया गया है, वह भी पूरा नहीं हुआ है क्योंकि अस्पताल में भ्रूण कोशिकाओं की कमी थी। इसलिए उस व्यक्ति के आधे मस्तिष्क में ही भ्रूण कोशिकाएं डाली जा सकी हैं। मस्तिष्क के प्रत्येक आधे हिस्से का उपचार करने के लिए तीन भ्रूणों से प्राप्त कोशिकाओं की ज़रूरत होती है। ये कोशिकाएं ऐसे भ्रूणों से प्राप्त की जाती हैं जिनकी मांओं ने किसी वजह से गर्भपात करवा लिया हो। जल्दी ही शेष आधे मस्तिष्क का उपचार भी किया जाएगा। बार्कर का दल ऐसे 19 अन्य मरीजों पर भी इस तकनीक का परीक्षण करना चाहता है।

बार्कर का मत है कि यह उपचार आगे चलकर स्टेम कोशिकाओं की मदद से भी किया जा सकेगा। 2017 में होने वाले उस उपचार में व्यक्ति के मस्तिष्क में डोपामीन उत्पादन करने वाली स्टेम कोशिकाएं डाली जाएंगी।

कोशिका उपचार के क्षेत्र में कार्यरत शोधकर्ताओं का विचार है कि बार्कर के प्रयोग से हम एक कदम आगे बढ़े हैं और स्टेम कोशिका उपलब्धि की समस्या को जल्दी ही सुलझा लिया जाएगा। (स्रोत फीचर्स)